12-64 4/ BIHAR [illegible] 270 [illegible] 1241 500 Rs.

INDIA NON JUDICIAL

५००रु. Rs.500

भारत

पाँच सौ रुपया FIVE HUNDRED RUPEES

ॐ

[illegible] 183.75
[illegible] 10.40
[illegible] 1.
[illegible] 1.12
196.27

२६९[illegible]

read with [illegible] Act 425

[illegible] 16.4.79

270

425

695

A [illegible] Singhpur 116 of 16.4.79

A [illegible] S.R. [illegible]
No. 946 & 947 of 16.4.79

[illegible] 16.4.79

[illegible]

नं. १	लिखकारी का नाम	श्री ओम प्रकाश राय वल्द श्री रामयतन राय जीवित निवासी ग्राम नया टोला हगुना दानापुर प्रगना फुलवारी थाना दानापुर पत्रालय दानापुर कैन्ट जिला पटना धंधा: खेती ....
नं. २	लिखाधारिणी का नाम	श्री मती राजेश्वरी सिन्हा जोजे श्री जगदीश प्रसाद सिंह निवासी शाहजहाँपुर पत्रालय बालुकाराम थाना वो जिला वैशाली धंधा- गृहिणी एवं खेती ....

[illegible]

695

पटना: कों.ब.गं., पटना
मूल्य 6951

नाम ओम प्रकाश राय
पिता/पति राम जतन राय
ग्राम / मुहल्ला सगुना
थाना दानापुर
जिला पटना

स्टाम्प प्रभारी 1/5/79

ओम प्रकाश राय
पिता का नाम श्री राम जतन राय
निवास स्थान ग्राम शोला सगुना थाना दानापुर जिला पटना
जो लेखकारी, दावेदार, या उनके नियोजक
द्वारा प्रमाणिकृत मुख्तारनामा ...
सं० ... 19 ... के अन्य लेखकारीयों
दावेदार में से एक श्री ...
के प्रतिनिधि हैं, ने ता० 16/8/79 के पूर्वाह्न
में (अपराह्न में) दानापुर सदर निबंधन कार्यालय में
निबन्धन के लिए पेश किया। 6-10

ओ.म. प्र[illegible] राय

व्यवस्थापक का हस्ताक्षर ... 16-8-79

[illegible] 16/8/79
निबंधन पदाधिकारी
दानापुर

(रजिस्ट्रार) (पटना)

उपर्युक्त श्री ओम प्रकाश राय

जिनकी पहचान राम निवासी और राम
ब्याज ... श्री रामजतन राय
पिता ... श्री रामचन्द्र राय
ने की, लेखा का ... स्वीकार किया।

निबंधनार्थ निबंधन ... द्वारा ... के समक्ष ... 2000 ... ... दिया गया है

ह० [illegible]
श्री ओम प्रकाश राय मो० 2000/- ... रुपैया ... हाकिम के सामने पाया
ह० [illegible] 16-8-79
स. रामजतन राय
ता: 16-8-79 [illegible] 16/8/79

100Rs.

INDIA NON JUDICIAL

१०० रु. Rs 100

सत्यमेव जयते

भारत

एक सौ रुपये ONE HUNDRED RUPEES

2.

सं. 3	लिखत प्रकार	निर्विवाद विक्रय पत्र (कियाला बय लाकलामी) (Absolute sale deed.)
सं. 4	मूल्य	मोबलीग ८५००.०० (आठ हजार पाँच सौ) रुपये मात्र Rs. 8500.00 (Eight thousand five hundred) only.
सं. 5	सम्पत्ति का सम्पूर्ण विवरण	हमारी जो जमाबी [illegible] ११२५३४ (बारह कट्ठा तीन धूर चार धुरकी) हराजी जिसका रकबा ३२ अड़तीस डीसमील होता है। हराजी [illegible] बीस कट्ठी से हराजी [illegible] योग्य काश्त [illegible] कागजी [illegible] [illegible] [illegible] मौजा जलालपुर परगना फुलवारी थाना को सब रजिस्ट्री दानापुर जिला को नजर रजिस्ट्री पटना जिसका तौजी संख्या ५५५८

प्रेषक [illegible] पटना

सू० नं० 6957

नाम

पिता/पति [illegible]

ग्राम / महल्ला

थाना

जिला

स्टाम्प प्रभारी Paid to 8000 (Eight thousands before the S.R. Dinapur

Rajeshwari Sinha
16.4.79

16/4/79

50 Rs.

पचास रूपया

भारत INDIA

५०रू. FIFTY RUPEES 50RS.

3. (पचपन सौ उन्नीस) के खाता संख्यां २२ (बाईस) की
खाता संख्या ९२ (बानबे) के किस्रा सर्वे प्लौट
संख्या ११३ (एक सौ तेरह) की वार्षिक लगान मो०
४.०० (चार) रुपये मैं श्री बा। वजमीन्दारी बिहार सरकार
बहादुर बजरिये अंचलाधिकारी अंचल कार्यालय
दानापुर। सम्पत्ति के साथ दो प्रतियाँ नक्शा
रंग लाल दिखलाया गया है विक्रय पत्र के
साथ संलग्न हैं। सम्पत्ति पटना विकास क्षेत्र
प्राधिकार में पड़ता है।

उत्तर	दक्खिन	पूरब	पश्चिम
श्रीमति प्रमिला देवी जौजे स्व० श्री रामजन्म प्रसाद राय पुनाईचक	श्री महानन्द राय	श्री डोंगा सिंह	सड़क बादहु शिपानें सगुना

पटना के.प.ग., पटना

मूल्य 6951

नाम .... [illegible]

पिता/पति ....

ग्राम / मुहल्ला ....

थाना ....

जिला ....

[illegible]

स्टाम्प प्रभारी

5 RS

INDIA

पाँच रुपये

सत्यमेव जयते

FIVE RUPEES भारत FIVE RUPEES

5\. की निजी सम्पत्ति हैं। खरीदारी की तिथि से सम्पत्ति आजतक लीलाधारी के अधीन अधिकार में शान्ति पूर्वक स्थित चला आ रहा है जो हैं। और लीलाधारी लगान साल बसाल अदायें को बेबाक करके सम्पत्ति सम्बन्धी व्यवस्था करके जो करके उत्पादित आय का उपभोग और उपयोग करते चले आ रहे हैं जो हैं। सरकारी कागजात रजिस्टर जो रसीद में लीलाधारी का नामांकित हैं। इस प्रकार लीलाधारी की सम्पत्ति सम्बन्धी हक जो अधिकार का प्रमाणित प्रमाणित हैं।

लीलाधारी को तत्काल कृषि व्यवस्था को भी खरीदने दूसरी भूमि जो बहन की शादी को भी यज्ञ विधि जरूरीयात इत्यादि के लिए धन की विशेष आवश्यकता है और जबतक सिड्युल नं-२ की वर्णित सम्पत्ति को लीलाधारी से बिक्री नहीं करते हैं तबतक रुपयों का प्रबंध होगा

पटना कोषागार, पटना

मूल्य ६९५१

नाम श्री ओम प्रकाश ...

पिता

ग्राम / मुहल्ला

थाना

जिला

१३/५/७९

स्टाम्प प्रभारी

१६/५/७९

६: प्रायः मुश्किल हो। इस हेतु लेखकारी ने गली-गांवि-
गांवा-गांव को अच्छी तरह खोज समझकर (स्वा०क्र०५
की वर्णित सम्पत्ति को बिक्री के लिए लेखकारी ने
ओम प्रकाश राय
लेखधारिणी स्वा०क्र०२ के ~~के~~ साथ निश्चित कर दी और
लेखकारी ने विक्रय पत्र लिखने के लिए सहर्ष तैयार
हुए। स्वा०क्र०४ से अधिक कीमत कोई देने के लिए तैयार नहीं हुए।
अतएव लेखकारी वर्णित सम्पत्ति के मूल्यस्वा-
धिकारी को स्वामि वो उपलब्धकर के होकर वो रहकर
अपनी तन मन तथा इन्द्रियों की स्वस्थावस्था
में मानसिक सन्तुलन के साथ अपने हितैषियों
एवं कानूनी सलाहकारों से परामर्श लेकर बिना
किसी के बाहरी अनुचित दबाव वो प्रभाव वो बह-
काव के स्वेच्छाय तथा अड़चनों के (स्वा०क्र०५ की
ओम प्रकाश राय
वर्णित सम्पत्ति को ~~लेखधारिणी~~ लेखधारिणी (स्वा०क्र०२ श्री मति
राजेश्वरी मिश्रा के साथ मौबलीग 8500.00 (आठ
हजार पाँच सौ) रुपयों में निर्विरोध रूपेण निर्वि-
वाद विक्रय पत्र (केवाला बय लकलामी)
किया वो लिखा वो बेचा और विक्रय पत्र का
निष्पादन इकरार स्वीकार किया।

सही ओम प्रकाश राय
7-8-76

गवाह राम दीनदयाल शर्मा
2/6 हैदराबाद

16/4/71

(७)

मूल्य के कुल रुपये में से मो० ५००.०० (पाँच सौ) रुपयें लीलाकारी ने वक्त बयाना इकरारनामे दार से वसूल पा चुके हैं उस रुपया को कुल मूल्य में मोजरा को मिन्हा कर दिया व शेष बाकी मो० ८०००.०० (आठ हजार) रुपये लीलाकारी ने नकद निबंधक पदाधिकारी के इजलास पर खरीदार से वसूल पाया। इस प्रकार लीलाकारी का कुल मूल्य खरीदार के यहाँ से वसूल हो बेबाक हो गया।

रकबे न०.५ की वर्णित सम्पत्ति में जितनी आगम निकास हक व अधिकार की व्यापित लीलाकारी या उत्तराधिकारियों को प्राप्त था या है या होगा वह कुल हक व अधिकार व व्यापित मूल्य के कुल रुपये चुकती पाकर आज की तिथि से खरीदार को प्राप्त हुआ व है व होगा। खरीदार रकबा न०.५

अमोद कुमार सिंह
९-४-३६

गवाह - हीरा सिंह
मोहल्ला - लगांटोली
थाना - कदमकुआँ
पटना-३

10/5/18

२. में वर्णित सम्पत्ति के स्वत्वाधिकारी को स्वामि बनकर जो होकर जो रहकर ग्रहण कार्य करें या बाग लगावें फरोख्त सम्पत्ति को व्यवहार में लावेंगे और स्वतंत्र रूपेण सम्पत्ति का आचरण किया करेंगे और जहाँ जहाँ नामांकित कराने की आवश्यकता होती या उनमें फरोख्त इस विक्रय पत्र के माध्यम नामांकित करालेवेंगे। उस वक्त लीलाकारी पक्ष को कोई एतराज नहीं है वो न होगा।

सही ओमप्रकाश श्रेय 6-8-36

लीलाकारी (विक्रेता) ने लीलाधारिणी (क्रेता) के साथ यह भी स्पष्ट प्रकट किये और विश्वास दिलाये है कि प्लाट नं. २ की वर्णित सम्पत्ति के निस्बत लीलाकारी का पूर्ण स्वत्व और अधिकार है और यह सम्पत्ति हर तरह से पाक और साफ है। लीलाकारी ने प्लाट नं. २ की वर्णित सम्पत्तियों को कहीं पर किसी के साथ कोई किस्म का दस्तावेज नहीं लिखे हैं और किसी तरह से इस सम्पत्ति को deal नहीं किया है। लीलाकारी

[illegible]

द्वारा इस तरह का विश्वास दिलाने पर इतमाद करके लीजधारिणी प्लॉट नं.-2 की वर्णित सम्पत्ति को खरीदने के लिए तैयार हुयी। अगर प्लॉट नं.-2 की वर्णित सम्पत्ति पर लीजकारी के स्वामित्व में किसी तरह का कोई नुक्स पाया जाय जिस वजह से खरीदार के राइटीज में कोई खलल पहुँचे तो लीजकारी उपयुक्त फौजदारी कानून के मुताबिक पाबन्द माने जायेंगे जिसके लीजकारी या उनके अधिकारियों के फल-स्वरूप किसी प्रकार की कोई क्षति खरीदार पक्ष को उठाना पड़े या देना पड़े जिससे खरीदार जायदाद या कुछ अंश भू-भाग से बेदखल हो जाते है वैसे हालतों में खरीदार पक्ष को हक हासिल है वो होगा कि वे सम्पूर्ण खर्च को सूद सहित कानूनन न्यायालय द्वारा लीजकारी पक्ष से वसूल करा-

सही
ओम प्रकाश राय
१६-४-९६

कारामा

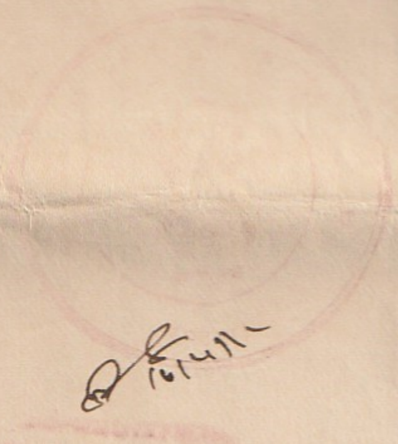

१८ यह जानि के फरीकैन पक्ष आदि की खुशि करलेवेंगे। उस वक्त लीलामवाले पक्ष की कोई उजराज नहीं है सो लहीगा।

इस वास्ते यादिगार बिक्रय पत्र बनाया। बदले फरीकैन के जाब लिखा दिया कि वक्त पर काम आवे और स्नद रहे।

दिनांक १४ (चौदह) माह अप्रैल १९७८ ईस्वी

सही ओमप्रकाश राय
१६-४-७८

लेखक कृपाल सिंह साकिन महल्ला ... मोहम्मदपुर ... परगना व थाना हाल गाँधी मैदान जिला पटना साकिन लेखकारी के उनको लिखा पढ़कर सुनाया। इसमें चार (४) लिखा कटिंग है और लाइन चौदह (लेखधारिणी) लिखा नहीं है सो लेखकारी को सही बताई।

২০।৫।৭৯

২১।৫।৭৯

500 Rs.

CIAL

Rs500

DRED RUPEES

270 / 425 / 695

1241

183.75
10.40
1.
1.12
196.27

270
425
695

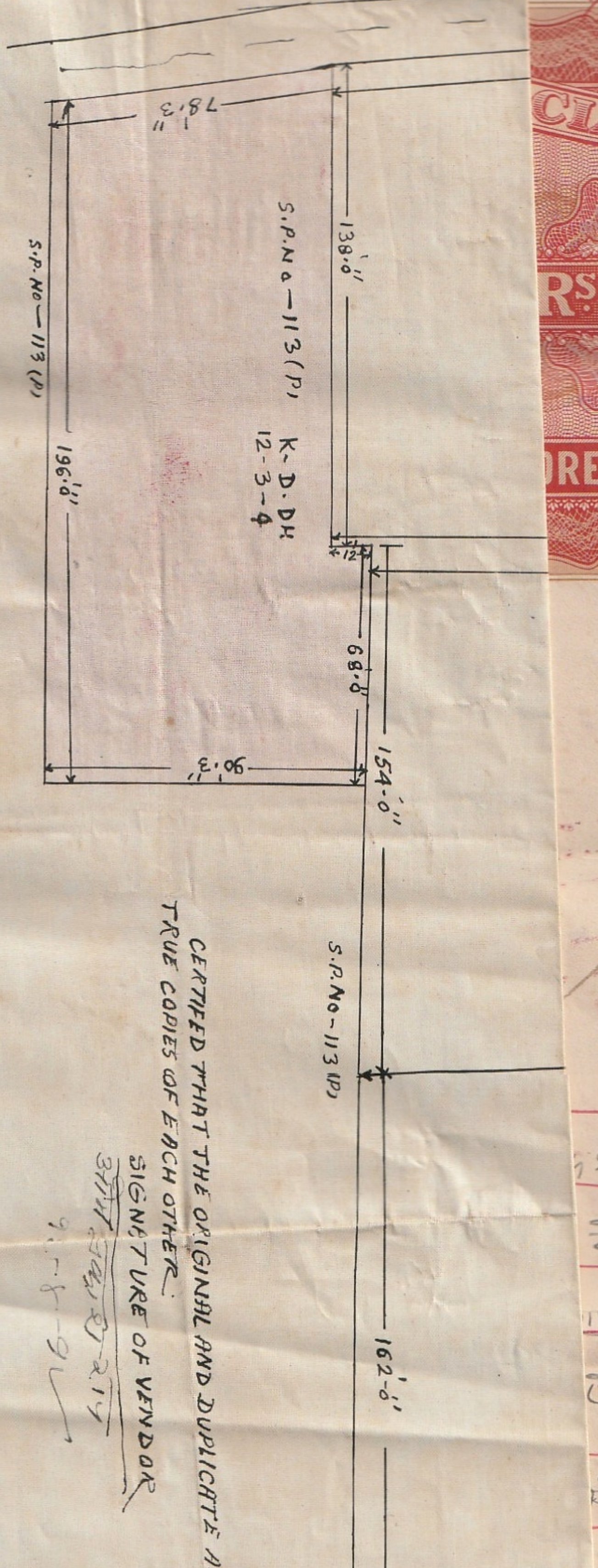

CERTIFIED THAT THE ORIGINAL AND DUPLICATE ARE TRUE COPIES OF EACH OTHER.

SIGNATURE OF VENDOR

श्री रामयतन राय

टोला हगुना दानापुर

पुर पत्रालय दानापुर

खेती

श्री जगदीश प्रसाद

पत्रालय बाजुलाराम

धंधा - गृहिणी

६० वर्ष

ORIGINAL

SITE PLAN OF LAND SHOWN IN RED COLOUR SOLD BY- SRI OM PRAKASH RAY S/O SRI RAM JATAN RAY OF VILLAGE SAGUNA P.S. DINA PUR DIST- PATNA - BEARING S.P.NO:- 113 (P) KHATA NO-92 TAU ZI NO - 5519 OF VILLAGE JALAL PUR NO-22 P.S. DINA PUR DIST. PATNA.

PURCHASED BY:- Smt. RAJESHWARI SINHA W/O SRI JAGADISH PRASAD SINGH OF VILLAGE SHAH JAHAN PUR P.S. VAISH ALI DIST. VAISHALI.

AREA:- 12 KATHA 3 DHUR . 4 DHURKIS

SCALE 1" = 40'

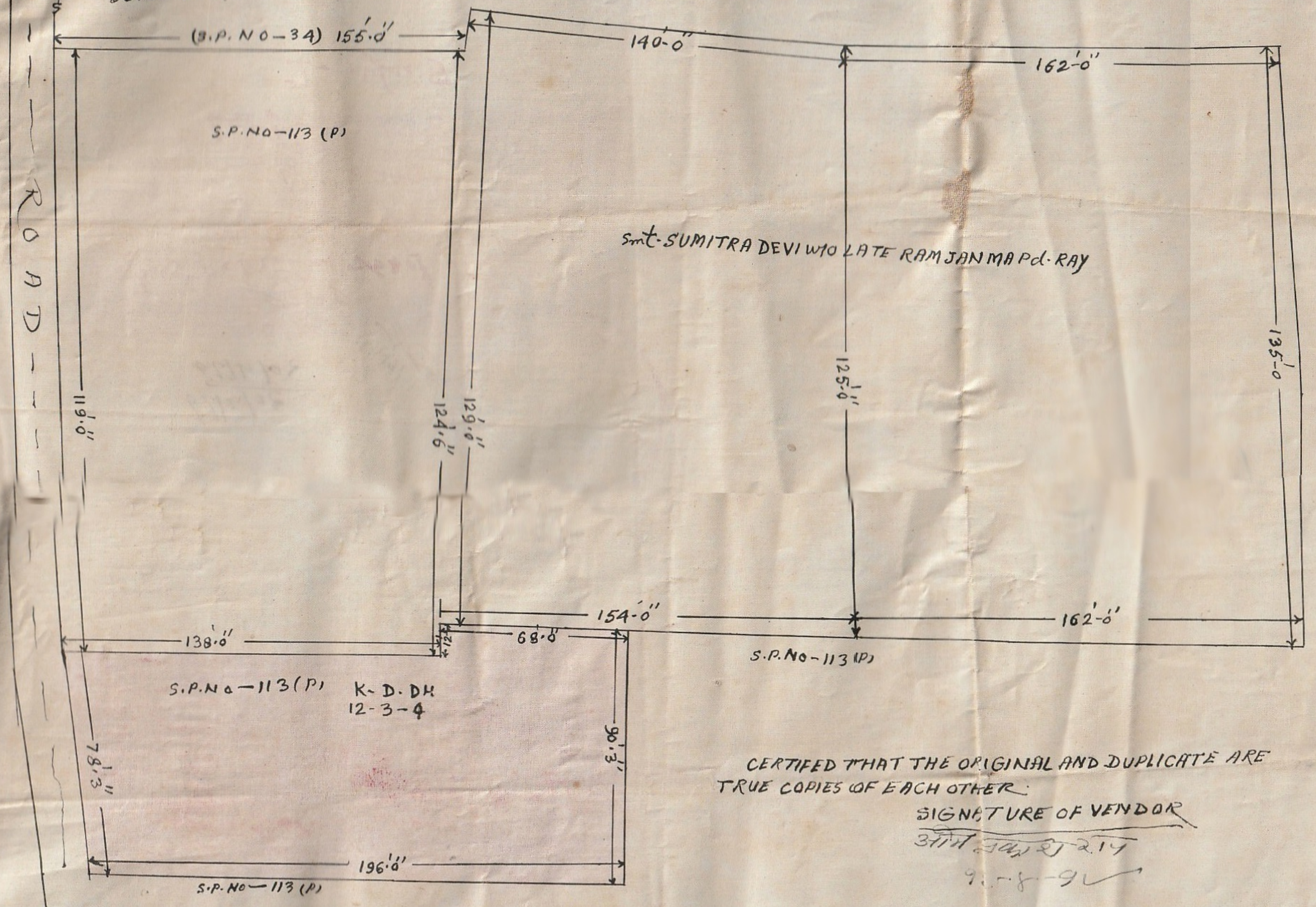

CERTIFED THAT THE ORIGINAL AND DUPLICATE ARE TRUE COPIES OF EACH OTHER.

SIGNATURE OF VENDOR